हरिभूमि बालोद भूमि

रायपुर, शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026

बालोद | अर्जुदा | गुंडरदेही | देवरी बंगला | डौंडीलोहारा | डौंडी | अंडा | गुरूर | दल्लीराजहरा | कलंगपुर | लाटाबोड़



खबर संक्षेप

खत्म हो सकती है 21 क्विंटल धान बेचने की बाध्यता

डौंडीलोहारा। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार द्वारा किसानों के हित में धान खरीदी व्यवस्था को लेकर बड़ा फैसला किए जाने की जानकारी सामने आई है। खरीफ विपणन वर्ष में किसानों को धान बेचने के लिए प्रति एकड़ 21 क्विंटल की निर्धारित सीमा के अनुसार ही धान बेचने की बाध्यता नहीं रहेगी। कम उत्पादन होने की स्थिति में किसानों को अतिरिक्त धान की व्यवस्था करने की परेशानी से राहत मिलने की बात कही जा रही है। वर्तमान खरीफ सीजन में किसानों को बेमौसम बारिश और प्राकृतिक आपदाओं के चलते फसल नुकसान की चिंता सता रही है। खेतों में खड़ी धान की फसल गिरने और लगातार बारिश से उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है। ऐसे में किसानों के सामने धान की मात्रा और गुणवत्ता को लेकर चुनौती खड़ी हो गई है।

प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी के निर्धारित मापदंड के कारण कई बार किसानों को वास्तविक उत्पादन से अधिक धान की व्यवस्था करने की मजबूरी का शेष पेज 10 पर

पुलिस को कार में चालक की सीट पर बैठा मिला संदिग्ध व्यक्ति

बस स्टैंड में खड़ी कार से हेरोइन, देशी पिस्टल बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद



एएनटीएफ बालोद पुलिस द्वारा बड़ी कार्रवाई करते हुए नया बस स्टैंड बालोद के पीछे खड़ी टाटा हेक्सा कार से हेरोइन (चिट्टा) एवं देशी पिस्टल बरामद किया गया है। आरोपी के कब्जे से लगभग 6.40 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) एवं देशी पिस्टल जब्त किया गया। मोबाइल फोन एवं टाटा हेक्सा कार सहित कुल 11,83,000 की सामग्री जब्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 22(ख) एवं आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की गई।

28 अक्टूबर की रात्रि पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि नया बस स्टैंड बालोद के पीछे सफेद रंग की टाटा हेक्सा कार क्रमांक सीजी 17 केएम 4455 खड़ी है, जिसमें चालक की सीट पर बैठा व्यक्ति हेरोइन (चिट्टा) एवं देशी पिस्टल रखे हुए हैं।

सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर पुलिस टीम आवश्यक कार्रवाई की तैयारी के साथ गवाहों एवं विवेचना संबंधी सामग्री लेकर मौके पर पहुंची। वहां उक्त कार में एक व्यक्ति चालक की सीट पर संदिग्ध अवस्था में बैठा मिला। पूछताछ में उसने अपना नाम वार्ड क्रमांक 21 रेलवे कॉलोनी राजहरा थाना दल्लीराजहरा निवासी लीनेश बंसोड़ उर्फ बाडू पिता सुनील बंसोड़ 25 वर्ष बताया। पुलिस द्वारा कार की तलाशी लेने पर डैशबोर्ड के अंदर एक पारदर्शी झिल्ली में रखा अवैध मादक पदार्थ हेरोइन (चिट्टा) तथा एक देशी पिस्टल बरामद हुई। मौके पर बरामद सामग्री का नियमानुसार परीक्षण, तौल एवं जब्ती की कार्रवाई की गई। हेरोइन (चिट्टा) का कुल वजन लगभग 6.40 ग्राम पाया गया। देशी पिस्टल के वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के संबंध में पूछताछ करने पर आरोपी वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद मादक पदार्थ एवं हथियार को विधिवत जब्त किया गया। पुलिस द्वारा जब्त सामग्री में हेरोइन (चिट्टा) लगभग 6.40 ग्राम, अनुमानित कीमत 1,28,000 रूपये, देशी पिस्टल अनुमानित कीमत 50,000 रूपये, मोबाइल फोन, कार क्रमांक सीजी 17 केएम 4455 जब्त की गई। मामले में आरोपी लीनेश बंसोड़ उर्फ बाबू के विरुद्ध थाना बालोद में एनडीपीएस एक्ट की धारा 22(ख) एवं आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। पुलिस द्वारा बरामद मादक पदार्थ एवं हथियार के संबंध मे विवेचना की जा रही है।

बालोद पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि मादक पदार्थों के अवैध कारोबार एवं अवैध हथियारों से संबंधित किसी भी गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। नशे एवं अवैध हथियारों के विरुद्ध पुलिस की कार्रवाई में सहयोग करें।

SANJAY RUNGTA GROUP OF INSTITUTIONS
KOHKA-KURUD, BHILAI
EXCELLENCE GUARANTEE
PROUD TO ANNOUNCE
BEST PRIVATE DENTAL COLLEGE IN CENTRAL INDIA
with 'A' Grade accredited by NAAC
ACCREDITED WITH GRADE A NAAC
RUNGTA COLLEGE OF DENTAL SCIENCES & RESEARCH
(Under The Aegis of Sanjay Rungta Group of Institutions)
Outlook-ICARE Rankings 2026
1st AMONGST PRIVATE DENTAL COLLEGES IN CENTRAL INDIA & 16th AMONGST DENTAL COLLEGES IN INDIA
has been RANKED By Outlook
1st AMONGST PRIVATE DENTAL COLLEGES IN CENTRAL INDIA
has been RANKED By INDIA TODAY
REGISTRATION OPEN
ONLY FEW SEATS LEFT
AC CLASS ROOMS
BDS | MDS
BEST FACULTY • BEST INFRASTRUCTURE • BEST RESULTS
Only college in CENTRAL INDIA offering MDS in ALL 9 specialization
1. Prosthodontics & Crown and Bridge
2. Periodontology
3. Orthodontics & Dentofacial Orthopedics
4. Conservative Dentistry and Endodontics
5. Paediatrics & Preventive Dentistry
6. Oral & Maxillofacial Surgery
7. Oral Pathology & Microbiology
8. Oral Medicine & Radiology
9. Public Health Dentistry
www.rungtacolleges.com
@rungtacolleges
ADMISSION HELP LINE : 9229 111 555, 92293 44402



भिलाई संयंत्र स्कूलों के प्रतिभावान विजेता बच्चों को किया गया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-10 में खेल प्रतिभा सम्मान समारोह

भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) के शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विद्यालयों के विजेता और पदक प्राप्त विद्यार्थियों के सम्मान में भिलाई निवास में खेल प्रतिभा सम्मान समारोह हुआ। कार्यपालक निदेशक पवन कुमार के मुख्य आतिथि थे। इस अवसर पर संयंत्र के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-10 के विद्यार्थियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया तथा अतिथियों का पौधे भेंट कर स्वागत किया। महाप्रबंधक व विभाग प्रमुख शिखा दुबे ने कहा कि खेल शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक दृढ़ता, अनुशासन एवं सामुदायिक भावना के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मुख्य अतिथि ने कहा कि खिलाड़ियों की उपलब्धियों ने विद्यालयों, भिलाई इस्पात संयंत्र एवं प्रदेश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम व लगन के साथ उत्कृष्टता के नए शिखर प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने खेलों को टीम भावना, नेतृत्व क्षमता एवं उत्तम स्वास्थ्य के विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। जीएम प्रभारी एबी श्रीनिवास ने खेल समन्वयकों, विद्यालय प्रमुखों एवं खेल शिक्षकों के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। पूर्व ओलंपिक खिलाड़ी और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित उप महाप्रबंधक राजेन्द्र प्रसाद ने खिलाड़ियों ने कहा कि खेल जीवन की चुनौतियों का सामना करने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान स्थापित करने का सशक्त माध्यम हैं।



कई खिलाड़ियों को मिले स्वर्ण व रजत पदक

सत्र 2025-2026 के दौरान 150 विद्यार्थियों ने ब्लॉक, जिला, संभाग, प्रादेशिक, राष्ट्रीय शालेय एवं खुली राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया। खिलाड़ियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में अनेक पदक अपने नाम किए। राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने 5 स्वर्ण, 3 रजत एवं 1 कांस्य पदक सहित कुल 9 पदक अर्जित किए। वहीं, खुली राज्य स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता में 4 स्वर्ण एवं 3 कांस्य पदक जीतकर कुल 7 पदक हासिल किए।राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में 9 खिलाड़ियों ने सहभागिता की तथा 3 स्वर्ण, 1 रजत एवं 1 कांस्य पदक सहित कुल 5 पदक जीते। खुली राष्ट्रीय क्रीड़ा प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने 5 स्वर्ण, 2 रजत व 1 कांस्य पदक सहित कुल 8 पदक हासिल किए।खेल प्रभारी शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान भिलाई विद्यालय,की छात्रा सृष्टि साव तथा सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-7 की छात्रा सृष्टि मिश्रा ने भाषण और सेक्टर-7 के विद्यार्थियों ने योग प्रदर्शन किया।कार्यक्रम का संचालन संचालन व्याख्याता सुनीता अनिल वासुदेवन तथा वरिष्ठ शिक्षिका महुवा चटर्जी और सीनियर सेकंडरी स्कूल सेक्टर 10 की प्राचार्य सुमिता सरकार ने किया।

खबर संक्षेप

जिपं में सामान्य सभा की बैठक अब 5 को

बालोद। जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक की तिथि में संशोधन किया गया है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 4 नवंबर को आयोजित होने वाली बैठक अब 5 नवंबर को सुबह 11 बजे से जिला पंचायत सभागार में आयोजित की जाएगी। बैठक का एजेंडा पूर्ववत रहेगा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील कुमार चंद्रवंशी द्वारा जारी संशोधित सूचना के अनुसार बैठक में जिला पंचायत के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों सहित संबंधित जनप्रतिनिधियों को उपस्थित होने की सूचना दी गई है। इसके साथ ही सभी विभागों एवं कार्यालय प्रमुखों को बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक के आयोजन का उद्देश्य जिला पंचायत से संबंधित विषयों पर चर्चा कर ग्रामीण विकास एवं नकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को गति प्रदान करना है। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति से योजनाओं की प्रगति एवं ग्रामीण क्षेत्रें से जुड़े विषयों पर चर्चा करने में सहायता मिलेगी। जिला पंचायत प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से संशोधित तिथि और समय के अनुसार बैठक में उपस्थित होने की अपील की है।

कोक ओवन बैटरी -8 में कोक पुशिंग हुई शुरु

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग में पुनर्निर्मित बैटरी क्रमांक-8 से 28 अक्टूबर 2026 को प्रथम कोक पुशिंग सफलतापूर्वक की गई। इसके साथ ही कोक उत्पादन प्रक्रिया की पुनः शुरु हो गई। कार्यक्रम में कार्यकारी निदेशक प्रभारी और कार्यपालक निदेशक ए के चक्रवर्ती, सजीव वर्गीस सहित संयंत्र के अन्य मुख्य महाप्रबंधकव वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पेज 9 का शेष

खत्म हो सकती है 21...

सामना करना पड़ता है। इससे बिचौलियों को बढ़ावा मिलने और किसानों पर आर्थिक दबाव बढ़ने की आशंका रहती है। बताया जा रहा है कि किसान यदि प्रति एकड़ 15 क्विंटल धान लेकर खरीदी केंद्र पहुंचता है, तो उसे उतने ही धान का भुगतान बोनस सहित मिलेगा। शेष छह क्विंटल धान के लिए किसान को बाहर से व्यवस्था करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे किसानों को राहत मिलने और धान खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि, इस फैसले की आधिकारिक पुष्टि और इसके लागू होने से संबंधित शासन के आदेश की जानकारी स्पष्ट होना आवश्यक है। किसानों को सलाह है कि धान बेचने से पहले संबंधित सेवा सहकारी समिति या कृषि विभाग से नवीनतम नियमों की जानकारी अवश्य लें।

स्वास्थ्य विभाग की सजगता का सकारात्मक परिणाम सामने आया

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पिपरछेड़ी में चार महिलाओं का सुरक्षित प्रसव कराया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बालोद

कलेक्टर दिव्या मिश्रा के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की सजगता और स्वास्थ्यकर्मियों के समर्पण का सकारात्मक परिणाम सामने आया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पिपरछेड़ी में 24 घंटे के भीतर चार महिलाओं का सुरक्षित प्रसव कराया गया। यह उपलब्धि विपरीत परिस्थितियों में भी आम नागरिकों को समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पिपरछेड़ी में सुरक्षित प्रसव के बाद चार परिवारों में खुशियां आईं। ग्राम बोरी की ममता प्रजापति ने पुत्र को जन्म दिया। ग्राम बिरेतरा की लिकेश्वरी ने पुत्री को जन्म दिया। इसी तरह ग्राम चारवाही की संतोषी ने पुत्री और ग्राम चारवाही की वंदना साहू ने पुत्र को जन्म दिया। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, चारों प्रसव सुरक्षित रूप से संपन्न कराए गए।

चक्रवात के दौरान गर्भवती महिलाओं को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना स्वास्थ्य विभाग के लिए महत्वपूर्ण चुनौती थी। ऐसी परिस्थिति में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की टीम ने तत्परता और आपसी समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाई। चिकित्सकों, स्टाफ नर्सों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों के सामूहिक प्रयास से प्रसव संबंधी सेवाएं लगातार जारी रहीं।

इस कार्य में डॉ. दुष्यंत सोनबोईर, डॉ. उस्मान खान, सरस्वती साहू, गुमिता साहू, मनीषा साहू, स्टाफ नर्स कविता, सुरेश साहू, गीतांजलि राणा, भारती भंडारी और पूनम चुरेंद्र का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की सुरक्षा शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। गर्भवती महिलाओं को समय पर जांच, संस्थागत प्रसव और आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना स्वास्थ्य सेवाओं का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। चक्रवात 'अर्बन' के दौरान पिपरछेड़ी स्वास्थ्य केंद्र में चार सुरक्षित प्रसव होना इस बात का सकारात्मक उदाहरण है कि प्रतिकूल मौसम में भी स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतरता कितनी महत्वपूर्ण है। पिपरछेड़ी स्वास्थ्य केंद्र की यह उपलब्धि स्वास्थ्यकर्मियों की सेवा भावना, तत्परता और सामूहिक प्रयासों की प्रेरक कहानी है। इन प्रयासों से चार परिवारों को सुरक्षित प्रसव की खुशी मिली और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति भरोसा मजबूत हुआ।







बारिश और तेज हवाओं से किसानों को सतर्क रहने की अपील

बालोद। आगामी दिनों में बारिश, तेज हवाओं और बिजली चमकने की संभावना को देखते हुए किसानों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, कृषक नगर रायपुर द्वारा जारी कृषि सलाह के अनुसार, किसानों को तेज हवाओं, भारी बारिश और बिजली चमकने के दौरान खेतों में काम करने से बचना चाहिए। मौसम विभाग के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए अगले कुछ दिनों तक फसलों की कटाई और अन्य कृषि कार्यों की योजना सावधानीपूर्वक बनाने की सलाह दी गई है।

जिन किसानों ने फसलों की कटाई शुरू कर दी है, वे कटी हुई फसलों को शीघ्र सुरक्षित एवं ऊंचे स्थानों पर रखें। फसलों को ढकने के लिए तिरपाल का उपयोग करते समय ध्यान रखें कि बारिश का पानी उसमें जमा न हो और फसल के नीचे नमी न बनी रहे। खेतों से अतिरिक्त पानी की निकासी की व्यवस्था भी जल्द सुनिश्चित करें। किसानों को अपने खेतों की नियमित निगरानी करने तथा फसलों में कीट एवं बीमारियों के लक्षण दिखाई देने पर मौसम साफ होने के बाद आवश्यकतानुसार उचित कीटनाशकों और कवकनाशकों का छिड़काव करने की सलाह दी गई है।

किसानों से अपील की गई है कि फसल नुकसान की स्थिति में फसल बीमा टोल–फ्री नंबर 14447 पर तथा कृषि संबंधी जानकारी और समसामयिक सलाह के लिए किसान कॉल सेंटर के टोल–फ्री नंबर 1800–180–1551 पर संपर्क करें। जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे मौसम संबंधी चेतावनियों को गंभीरता से लें और अपनी फसलों की सुरक्षा के लिए आवश्यक सावधानियां बरतें।

जम्ही टोल प्लाजा में सीजी-24 वाहनों और स्थानीय नागरिकों को छूट देने की मांग

बालोद। राष्ट्रीय राजमार्ग–930 जिला बालोद स्थित जम्ही टोल प्लाजा में स्थानीय नागरिकों को टोल शुल्क में राहत देने, सीजी 24 बालोद पासिंग वाहनों के लिए विशेष छूट तथा राष्ट्रीय राजमार्ग की स्थिति में सुधार के संबंध में मांग करते हुए जनसेवक पूर्व प्रदेश मंत्री भाजपा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राकेश कुमार यादव ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखा है।



■ पूर्व नपा अध्यक्ष ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को लिखा पत्र

राष्ट्रीय राजमार्ग आम नागरिकों के आवागमन, व्यापार, रोजगार, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में सड़क की स्थिति और रखरखाव को लेकर वाहन चालकों की परेशानियों के बीच टोल शुल्क का भार भी स्थानीय लोगों के लिए चिंता का विषय बनता है। नागरिकों की अपेक्षा है कि टोल वसूली की व्यवस्था के साथ–साथ सड़क की गुणवत्ता, सुरक्षित आवागमन और स्थानीय लोगों को मिलने वाली सुविधाओं पर भी विशेष ध्यान दिया जाए।

राकेश कुमार यादव ने कहा रायपुर क्षेत्र के टोल प्लाजा पर निर्धारित श्रेणी के पात्र वाहनों को मिलने वाली छूट तथा राजनांदगांव जिले के सोमनी टोल प्लाजा पर स्थानीय निवासियों के लिए पहचान एवं पात्रता आधारित सुविधा के उदाहरणों का उल्लेख करते हुए बालोद जिले के नागरिक भी अपने क्षेत्र में ऐसी राहत की अपेक्षा कर रहे हैं। पत्र में मांग की गई है कि सीजी 24 बालोद पासिंग वाहनों को टोल शुल्क में राहत प्रदान की जाए। जिला बालोद में पंजीकृत सीजी 24 नंबर के पात्र निजी वाहनों को जम्ही टोल प्लाजा पर लागू नियमों के अनुरूप टोल शुल्क में छूट अथवा विशेष रियायत देने की व्यवस्था पर विचार किया जाए। स्थानीय नागरिकों को रोजगार, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य आवश्यक कार्योंर् के लिए नियमित रूप से आवागमन करना पड़ता है। ऐसे में पात्र स्थानीय वाहन चालकों को राहत प्रदान करने से उनके आर्थिक भार को कम करने में सहायता मिल सकती है। स्थानीय निवासियों के लिए आधार कार्ड आधारित टोल सुविधा लागू करने पर विचार किया जाए। राजनांदगांव जिले के सोमनी टोल प्लाजा पर स्थानीय निवासियों के लिए उपलब्ध बताई जाने वाली सुविधा एवं उसकी वास्तविक पात्रता की समीक्षा कराई जाए। इसी प्रकार, जम्ही टोल प्लाजा पर भी स्थानीय निवासियों को आधार कार्ड तथा आवश्यक निवास प्रमाण के सत्यापन के आधार पर नियमानुसार छूट, रियायत अथवा अन्य उपयुक्त सुविधा उपलब्ध कराने की संभावना पर विचार किया जाए। इससे टोल क्षेत्र के आसपास रहने वाले तथा नियमित आवागमन करने वाले नागरिकों को राहत मिल सकती है। राष्ट्रीय राजमार्ग–930 की वर्तमान स्थिति का तकनीकी निरीक्षण कराया जाए। राष्ट्रीय राजमार्ग की वर्तमान स्थिति का संबंधित तकनीकी अधिकारियों से निरीक्षण कराया जाए।

बच्चों के लिए घर-घर जाकर दिया जा रहा सूखा राशन



बालोद। कलेक्टर के निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास विभाग ने पोषण आहार वितरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने खराब मौसम की परिस्थितियों में भी हितग्राहियों के घर–घर पहुंचकर सूखा राशन वितरित किया, ताकि बच्चों को पोषण आहार मिलने में किसी प्रकार की बाधा न आए। चक्रवात के कारण मौसम प्रभावित होने की आशंका के बीच आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने अपनी जिम्मेदारी पूरी तत्परता से निभाई। जिले के छिंदगांव, कुमुड़कट्टा, कुंजकन्हार, ढोरींठेमा और धोबनी सहित अनेक गांवों में हितग्राहियों को सूखा राशन वितरित किया गया। बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए नियमित और पर्याप्त पोषण जरूरी है। विशेषकर आपदा और खराब मौसम जैसी परिस्थितियों में बच्चों एवं अन्य पात्र हितग्राहियों तक पोषण आहार पहुंचाना महत्वपूर्ण हो जाता है। इसे ध्यान में रखते हुए कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने पोषण सेवाओं की निरंतरता को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए, ताकि परिस्थितियां कैसी भी हों, हितग्राहियों को आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने के प्रयास जारी रहें।

शैलदेवी कॉलेज के छात्रों ने प्राप्त किया हेमटोलॉजी का व्यावहारिक प्रशिक्षण

अंडा। शैलदेवी महाविद्यालय अंडा के विज्ञान विभाग द्वारा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं अनुभवात्मक शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, निकुम, जिला दुर्ग में हेमटोलॉजी (रक्त विज्ञान) से संबंधित शैक्षणिक एवं प्रयोगात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ चिकित्सा प्रयोगशाला में होने वाली जाँचों एवं प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करना था।

कार्यक्रम के दौरान चिकित्सा अधिकारी डॉ. साक्षी ठाकुर ने विद्यार्थियों को हेमटोलॉजी के महत्व, मानव स्वास्थ्य में रक्त की भूमिका तथा विभिन्न रक्त जांचों की चिकित्सीय उपयोगिता के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रक्त संबंधी जाँचें अनेक बीमारियों की पहचान, रोगी की स्वास्थ्य स्थिति के आकलन तथा उचित उपचार की दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसके पश्चात पैथोलॉजिस्ट ने विद्यार्थियों को हेमटोलॉजी से संबंधित विभिन्न प्रयोगों एवं जाँच प्रक्रियाओं का विस्तारपूर्वक व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। विद्यार्थियों को प्रयोगों की कार्यविधि, प्रयोगशाला में अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं तथा रक्त परीक्षण के वैज्ञानिक आधार को समझने का अवसर मिला। इस प्रशिक्षण से विद्यार्थियों ने चिकित्सा प्रयोगशाला की कार्यप्रणाली को निकट से जाना और अपने सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ने का प्रयास किया।



यह शैक्षणिक गतिविधि विद्यार्थियों के लिए अनुभवात्मक शिक्षा का एक महत्वपूर्ण अवसर रही। इससे उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण, अवलोकन क्षमता, प्रयोगात्मक कौशल तथा स्वास्थ्य विज्ञान के प्रति समझ विकसित करने में सहायता मिली। इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों से आगे बढ़कर वास्तविक परिस्थितियों में विज्ञान के अनुप्रयोग को समझने के लिए प्रेरित करते हैं।

कार्यक्रम का आयोजन शैलदेवी महाविद्यालय के विज्ञान विभाग द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. नीतू श्रीवास्तव, कांची राजपूत एवं नूतन साहू उपस्थित रहे। कार्यक्रम में चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा प्रदान किए गए मार्गदर्शन ने विद्यार्थियों के शैक्षणिक अनुभव को समृद्ध बनाया।

गंभीर मरीजों को बिलासपुर जाने से मिलेगी राहत

मानसिक रोगियों के लिए तैयार हो रहा 20 बिस्तर का अस्पताल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

दुर्ग जिले में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की जरूरत को देखते हुए सरकारी स्तर पर सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। जिला अस्पताल दुर्ग में हर महीने करीब 800 मानसिक रोगी जांच और इलाज के लिए पहुंचते हैं। इनमें गंभीर मरीजों को बेहतर उपचार के लिए दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता है। इस समस्या को दूर करने के लिए जिला अस्पताल परिसर में निर्माणाधीन मानसिक अस्पताल को अप्रैल तक पूरी तरह तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। अस्पताल शुरू होने से गंभीर मानसिक रोगियों को स्थानीय स्तर पर उपचार की सुविधा मिल सकेगी और उन्हें बिलासपुर मानसिक अस्पताल के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

■ दुर्ग जिला अस्पताल में मिलेगी नई सुविधा

20 मरीजों को एक साथ भर्ती करने की सुविधा

निर्माणाधीन मानसिक अस्पताल की क्षमता 20 बिस्तरों की होगी। यहां एक साथ 10 महिला और 10 पुरुष मरीजों को भर्ती कर इलाज किया जा सकेगा। इससे उन मरीजों को विशेष राहत मिलने की उम्मीद है, जिन्हें नियमित जांच के साथ अस्पताल में भर्ती रखकर उपचार की जरूरत होती है। वर्तमान में जिला अस्पताल में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जांच और इलाज के लिए हर महीने लगभग 800 मरीज पहुंच रहे हैं। ऐसे में नए अस्पताल की सुविधा जिले में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।



80 लाख रुपये की लागत से हो रहा निर्माण

मानसिक अस्पताल के निर्माण पर शुरुआती अनुमान के अनुसार करीब 80 लाख रुपये खर्च होने थे। हालांकि, निर्माण में हुई देरी के कारण लागत में वृद्धि होने की बात सामने आई है। भवन का शेष काम पूरा होने के बाद अस्पताल को मरीजों के उपयोग के लिए तैयार करने की दिशा में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भवन का ढांचा तैयार, फिनिशिंग का काम बाकी

अस्पताल भवन का ढांचागत निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। दीवारें खड़ी हो गई हैं और अब छत की ढलाई, फिनिशिंग तथा साफ-सफाई जैसे काम शेष हैं। निर्माण एजेंसी सीजी-एमएससी के अधिकारियों के अनुसार, निर्धारित समयसीमा के भीतर निर्माण कार्य पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। लक्ष्य है कि अप्रैल तक अस्पताल का भवन पूरी तरह तैयार हो जाए, जिससे आगे की आवश्यक प्रक्रियाओं के बाद मरीजों को सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी मजबूती

मानसिक रोगों के उपचार में समय पर जांच, नियमित परामर्श और जरूरत पड़ने पर अस्पताल में भर्ती की सुविधा महत्वपूर्ण होती है। जिला अस्पताल में हर महीने बड़ी संख्या में मरीजों का पहुंचना इस सेवा की आवश्यकता को दर्शाता है। नया मानसिक अस्पताल शुरू होने से दुर्ग जिले के मरीजों को स्थानीय स्तर पर उपचार का बेहतर विकल्प मिल सकेगा। खासकर गंभीर मरीजों और उनके परिजनों को दूसरे शहर में इलाज कराने के लिए होने वाली परेशानी तथा अतिरिक्त खर्च से राहत मिलने की उम्मीद है। अब निगाहें निर्माण कार्य पूरा होने और अस्पताल में उपचार सुविधाएं शुरू होने की समयसीमा पर टिकी हैं।

सड़क किनारे पसरा व्यवसाय करने वालों को हटाने की कार्रवाई पर विधायक सेन नाराज

भिलाई। सड़क किनारे पसरा लगाकर व्यवसाय करने वालों को हटाने की कार्रवाई पर वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने तत्काल मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से चर्चा कर बिना पूर्व सूचना, सामान हटाने की मोहलत दिए बिना की गई कार्रवाई पर आपत्ति दर्ज कराई और प्रभावित छोटे व्यवसायियों को राहत देने की मांग उठाई। कुछ अरसा पहले भिलाई निगम के तत्कालीन आयुक्त अशोक द्विवेदी ने भी बगैर जनप्रतिनिधियों को सूचना दिए कुछ इसी तरह की कार्रवाई की थी जिसमें विधायक रिकेश की आपत्ति को सीएम हाउस ने संज्ञान में लेकर कमिश्नर को हटा दिया था। 27 अक्टूबर को इसकी पुनरावृत्ति होने पर विधायक ने नाराजगी जताई है। विधायक रिकेश सेन ने मुख्यमंत्री से चर्चा के बाद इस मुद्दे पर 29 अक्टूबर को सीएम से मुलाकात भी करेंगे। विधायक रिकेश सेन ने स्पष्ट किया कि वे यातायात बाधित करने वाले अतिक्रमण के समर्थक नहीं हैं। त्यौहारी सीजन में सड़कों को व्यवस्थित और सुगम बनाए रखने के लिए प्रशासन व यातायात पुलिस के प्रयास आवश्यक हैं, लेकिन कार्रवाई से पहले संबंधित व्यवसायियों को नोटिस देकर सामान हटाने का पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए था।



खबर संक्षेप



ज्ञानदीप पुरस्कार से शिक्षक राकेश हरमुख सम्मानित

अंडा। मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण समारोह के अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला तुमाकला में पदस्थ शिक्षक राकेश कुमार हरमुख को ज्ञानदीप पुरस्कार से सम्मानित किया गया। दुर्ग स्थित खालसा पब्लिक स्कूल में आयोजित समारोह में छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के मुख्य आतिथ्य में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। शिक्षक राकेश कुमार हरमुख को ज्ञानदीप पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। उनकी इस उपलब्धि पर केंद्रीय जिला सहकारी बैंक दुर्ग के अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन सहित दिल्लीवार कूर्मि क्षत्रिय समाज, नगर इकाई दुर्ग के पदाधिकारियों एवं स्वजातीय बंधुओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। बधाई देने वालों में राकेश देशमुख, अतुल देशमुख, खिलेश्वर प्रसाद देशमुख, भुनेश्वर देशमुख, नवनीत देशमुख, गोकुल देशमुख, नवीन देशमुख, लीलेश्वर देशमुख, मानसिंह देशमुख, पंकज बेलचंदन, दीपेंद्र देशमुख, उत्तम देशमुख, नितेश देशमुख, नागेश देशमुख, सुरेश देशमुख, तोमेश्वर गौतम, मुकेश बेलचंदन सहित अन्य स्वजातीय बंधु शामिल हैं।

वोट बचाओ, देश बचाओ महारैली के लिए दिल्ली कूच करेंगे लाखों देशभक्त

अंडा। लोकतंत्र और वोट के अधिकार की रक्षा के लिए 1 नवंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली वोट बचाओ, देश बचाओ जनमार्च एवं महारैली को लेकर देश भर में उत्साह देखा जा रहा है। पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू जी ने कहा कि यह किसी एक दल, जाति, धर्म या भाषा की लड़ाई नहीं, बल्कि हर हिंदुस्तानी की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में वोट के अधिकार और लोकतंत्र पर खतरा है, ऐसे में हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह आगे आए। श्री साहू ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में यह आंदोलन ऐतिहासिक होने जा रहा है। पूरे देश से लाखों देशभक्त इस महारैली के लिए दिल्ली कूच कर रहे हैं। शिव की बारात की तरह इस आंदोलन में बिना किसी भेदभाव के सबका स्वागत है।



बाइक चोरी करने वाला गिरफ्तार

भिलाई। दो पहिया वाहन चोरी के मामले में पुलिस ने युवक को गिरफ्तार किया है। सुपेला पुलिस ने बताया कि बालमुकुंद साहू बाइक सीजी 04 सीएन 5711 को महादेव कार प्राइवेट लिमिटेड, सुपेला के सामने खड़ा किया था। पूछताछ करने पर अपना नाम शारदा पारा, कैंप 1 निवासी इन्द्रजीत सिंह बताया है।

डौंडीलोहारा की 120 पंचायतों में घर-घर पहुंच रहे स्वच्छाग्रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डौंडीलोहारा

क्षेत्र में बेमौसम बारिश के चलते जहां जनजीवन प्रभावित हो रहा है। वहीं स्वच्छता की जिम्मेदारी निभाने वाले स्वच्छाग्रही अपने कर्तव्य से पीछे नहीं हट रहे हैं। लगातार बारिश, कीचड़युक्त रास्तों और प्रतिकूल मौसम की चुनौतियों के बावजूद डौंडीलोहारा विकासखंड की 120 ग्राम पंचायतों में घर-घर कचरा संग्रहण का कार्य निरंतर जारी है।

स्वच्छाग्रहियों का यह समर्पण साबित कर रहा है कि स्वच्छता की राह में मौसम भी बाधा नहीं बन सकता। ग्रामीण क्षेत्रों को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाने के उद्देश्य से संचालित यह पहल स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी और जनसेवा की भावना का प्रेरणादायक उदाहरण बन रही है।

प्रतिकूल मौसम और कीचड़ भरे रास्तों के बीच भी जारी है कचरा संग्रहण

120 ग्राम पंचायतों में स्वच्छता की निरंतरता पर जोर

विकासखंड की सभी 120 ग्राम पंचायतों में संचालित इस गतिविधि का उद्देश्य स्वच्छता व्यवस्था को नियमित बनाए रखना और ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जिम्मेदार बनाना है। स्वच्छता केवल किसी विशेष अभियान या दिवस तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना आवश्यक है। इसी सोच के साथ स्वच्छाग्रही मौसम की चुनौतियों के बीच भी घर-घर पहुंचकर कचरा संग्रहण का कार्य कर रहे हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी नारायण बंजारा ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे गीले और सूखे कचरे को यथासंभव अलग-अलग रखें तथा कचरे को निर्धारित संग्रहण व्यवस्था के माध्यम से ही स्वच्छाग्रहियों को सौंपें। उन्होंने सार्वजनिक स्थानों, गलियों और सड़कों पर कचरा नहीं फेंकने तथा गांवों को साफ-सुथरा बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।



स्वच्छाग्रहियों के समर्पण की सराहना

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के संकुल समन्वयक गौतम सिन्हा ने बताया कि बेमौसम बारिश के बावजूद स्वच्छाग्रही समूह द्वारा घर-घर कचरा संग्रहण का कार्य लगातार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बारिश के कारण लोग अपने घरों में रहने को मजबूर हैं, लेकिन स्वच्छाग्रही समूह अपने दायित्वों को पूरा करने के लिए कठिन परिस्थितियों में भी कार्य कर रहा है। इस दौरान स्वच्छाग्रही अपनी सुरक्षा का ध्यान रखते हुए स्वच्छता व्यवस्था को बनाए रखने में जुटे हैं। उनका यह प्रयास बेहद सराहनीय है।

बेमौसम बारिश के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन प्रभावित हो रहा है। कई स्थानों पर रास्तों में कीचड़ जमा होने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे चुनौतीपूर्ण हालात में भी स्वच्छाग्रही नियमित रूप से गांवों में पहुंचकर घर-घर से निकलने वाले कचरे का संग्रहण कर रहे हैं। बारिश के बीच अपने कार्यों को प्राथमिकता देते हुए वे ग्रामीण परिवारों से संपर्क कर रहे हैं और गांवों में साफ-सफाई बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

स्वच्छाग्रहियों की इस सक्रियता से न केवल घरों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने में मदद मिल रही है, बल्कि सार्वजनिक स्थलों पर कचरा फैलने की समस्या को भी कम करने का प्रयास किया जा रहा है।

आयोजन : 76 विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए वैज्ञानिक मॉडल

विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा, जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए प्रतिभागी



हरिभूमि न्यूज ▶▶| दल्लीराजहरा/डौंडी

विकासखंड डौंडी के स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में 27 अक्टूबर को विकासखंड स्तरीय राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी 2026-27, पश्चिम भारत विज्ञान मेला एवं विज्ञान नाटिका प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा छठवीं से बारहवीं तक के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के 76 विद्यार्थियों और 14 विज्ञान शिक्षकों ने भाग लेकर वैज्ञानिक सोच, नवाचार और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया।

विकासखंड नोडल अधिकारी अमरदीप गुप्ता ने बताया कि राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी का मुख्य विषय 'सतत एवं विकसित भारत के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार' रहा। इसके अंतर्गत सात उपविषयों पर विद्यार्थियों ने अपने वैज्ञानिक मॉडल और परियोजनाएं प्रस्तुत कीं। निर्णायक मंडल ने विभिन्न विधाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों का चयन जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया। परियोजना



प्रतियोगिता में व्यक्तिगत एवं समूह वर्ग के प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों, विज्ञान नाटिका में प्रथम स्थान प्राप्त समूह तथा प्रश्नमंच के जूनियर एवं सीनियर वर्ग में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को जिला स्तर के लिए चुना गया। सेमिनार प्रतियोगिता में जलवायु संबंधी गतिविधियों के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं गणित (एसटीईएम) तथा गैर-संक्रामक रोगों के कारण एवं निवारण विषयों पर भी प्रस्तुतियां दी गईं। दोनों विषयों में विकासखंड के दो शिक्षकों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। चयनित प्रतिभागी 4 नवंबर को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बालोद में आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार चतुर्वेदी, बीआरसी समन्वयक सुनील तारम, राजेश कुमार मेश्राम तथा निर्णायक मंडल के सदस्य संजय बंजारे, देवन्तीन पारकर, अनीता सिंह, ओमन मारकंडे और गजेंद्र रावटे सहित उपस्थित शिक्षक-शिक्षिकाओं ने चयनित प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं।

स्व. मघराज नाहटा के नेत्रदान से दो लोगों को मिलेगी नई रोशनी



हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद

जिले में नेत्रदान के क्षेत्र में एक प्रेरणादायक पहल के रूप में सत्र का प्रथम नेत्रदान बालोद निवासी स्व. मघराज नाहटा 97 वर्ष के नेत्रों का सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। नेत्रदान की इस पुनीत प्रक्रिया को मुख्य चिकित्सा अधिकारी जेएल. उईके के कुशल मार्गदर्शन में डॉ. एल.एन. वर्मा के द्वारा कुशल साहू, डिगेश देवदास एवं धर्मेंद्र देशमुख के सहयोग से किया गया।

स्व. मघराज नाहटा के नेत्रदान से समाज को यह प्रेरणादायक संदेश मिलता है कि मानव सेवा की कोई उम्र नहीं होती और मृत्यु के बाद भी नेत्रदान के माध्यम से किसी के जीवन में उजाला लाया जा सकता है। नेत्रदान एक ऐसा महादान है, जिसके माध्यम से कॉर्निया की बीमारी के कारण दृष्टिहीनता से जूझ रहे पात्र व्यक्तियों को दोबारा देखने का अवसर मिल सकता है। एक व्यक्ति का नेत्रदान जरूरतमंद लोगों के जीवन में नई आशा और रोशनी ला सकता है। आज भी समाज में नेत्रदान को लेकर कई भ्रांतियाँ एवं जागरूकता की कमी देखने को मिलती है। ऐसे में स्व. मघराज नाहटा का यह नेत्रदान आमजन को प्रेरित करता है कि वे नेत्रदान के महत्व को समझें और इस पुनीत कार्य के लिए आगे आएँ। नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाकर हम एक ऐसे समाज के निर्माण में योगदान दे सकते हैं, जहाँ कोई भी व्यक्ति केवल जागरूकता और उपलब्धता की कमी के कारण दृष्टि पाने की संभावना से वंचित न रहे।

जिला बालोद में सत्र के प्रथम नेत्रदान के सफल संपादन पर नेत्र विभाग की पूरी टीम को बधाई दी साथ ही नाहटा परिवार के द्वारा पुनीत कार्य में सहयोग देने वाले सभी चिकित्सकों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

राहुद के शासकीय निस्तारी तालाब मामले में ग्रामीणों की जीत, तहसील कोर्ट का नामांतरण आदेश खारिज

गुण्डरदेही। ग्राम राहुद का नया तालाब का मामला जो लंबे समय से न्यायालयीन प्रक्रिया में था, आखिरकार उनका फैसला 27 अक्टूबर को एसडीएम टंकेश्वर प्रसाद साहू द्वारा दिया गया।

प्रकरण के अनुसार तहसीलदार द्वारा शासकीय तालाब को तुलसी राम, पिता प्रेमलाल साहू व दिनेश कुमार साहू, के नाम पर नामांतरण करने आदेश दिया गया था, जिनकी जानकारी ग्रामवासियों को होने पर ग्रामवासियों द्वारा एसडीएम कोर्ट में याचिका दायर किया गया, परन्तु दिनेश कुमार द्वारा अपने वकील के माध्यम से धारा 5 विलंब से याचिका दायर करना के माध्यम से अपर कलेक्टर के पास याचिका दायर किया। ग्राम पंचायत राहुद सरपंच कुलेश्वरी साहू ने ग्राम पंचायत में



प्रस्ताव पारित किया गया कि उक्त तालाब को दिनेश साहू के नाम पर होने से कोई आपित्त नहीं है और एसडीएम के द्वारा स्वीकार्य याचिका को अपर कलेक्टर के द्वारा गलत बताया गया, उसके उपरान्त ग्राम वासियों द्वारा कमिश्नर कोर्ट में अपर कलेक्टर के फैसले के खिलाफ याचिका दायर किया गया। जहां अनुविभागीय अधिकारी को सुनवाई कर तीन माह के भीतर फैसला सुनाने का आदेश किया जाता है, पुनः अपर कलेक्टर पास पुनरीक्षण याचिका दायर किया गया, और एसडीएम कोर्ट को अपना सुनवाई रोकना पड़ा, परन्तु ग्राम वासियों ने अपर कलेक्टर के खिलाफ जनदर्शन और सीएम हेल्फ लाइन में शिकायत दर्ज कराई, तब जाकर अपर कलेक्टर के द्वारा याचिका खारिज किया गया और पुनः एसडीएम कोर्ट को सुनवाई का आदेश किया गया। पर ग्राम वासियों द्वारा एसडीएम मे पता चलता है फाइल 10 अक्टूबर तक नहीं पहुंचा है, उसके उपरान्त ग्राम वासियों द्वारा अपर कलेक्टर के बाबू के खिलाफ सीएम हेल्प लाइन पर शिकायत दर्ज कराई गई, तब जाकर फाइल को एसडीएम कोर्ट भेजा गया गया, जहां पर अनुभागी अधिकारी टांकेश्वर प्रसाद साहू ने मामले की गंभीरता को समझते हुए याचिका को गंभीरता से अध्ययन कर कमिश्नर कोर्ट के 3 महीने के मियाद पूरी होने के पूर्व लगातार सुनवाई कर 27 अक्टूबर को आदेश जारी कर दिया गया। जिसमें उक्त तालाब को पूर्व से ही शासकीय निस्तारी तालाब बताया गया और तहसील न्यायालय के आदेश को खारिज करते हुए तालाब को निस्तारी शासकीय दर्ज करने का आदेश जारी किया गया। ग्रामीणों के अनुसार जिसका प्रकरण 2019 में एसडीएम कोर्ट में चल चुका था, जिसमें उक्त तालाब को शासकीय निस्तारी तालाब होने का फैसला सुनाया जा चुका था।

श्रीमद्भागवत कथा में वृंदावन लीला महारास और कंस वध का वर्णन

अंडा। रिसाली के प्रगति नगर स्थित मां परमेश्वरी भवन, सड़क नंबर-20 में आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के सातवें दिन गुरुवार को प्रख्यात भागवताचार्य संत निरंजन महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की वृंदावन लीला, महारास, कंस वध एवं रुक्मिणी विवाह के प्रसंगों का वर्णन किया। कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का श्रवण किया।

कथावाचक संत निरंजन महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की वृंदावन लीलाओं का वर्णन करते हुए प्रेम, भक्ति और समर्पण का महत्व बताया। महारास प्रसंग के माध्यम से उन्होंने समझाया कि भगवान श्रीकृष्ण के प्रति गोपियों का प्रेम निष्काम भक्ति और पूर्ण समर्पण का प्रतीक है। भगवान की लीलाएं भक्तों को



सांसारिक मोह से ऊपर उठकर ईश्वर के प्रति प्रेम रखने की प्रेरणा देती हैं। स वध प्रसंग का वर्णन करते हुए महाराज जी ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने अत्याचारी कंस का अंत कर मथुरा की जनता को उसके भय से मुक्ति दिलाई। यह प्रसंग संदेश देता है कि अत्याचार और अधर्म चाहे कितने भी शक्तिशाली क्यों न हों, अंततः विजय सत्य और धर्म की ही होती है। कथा में भगवान श्रीकृष्ण और माता रुक्मिणी के विवाह प्रसंग का भी वर्णन किया गया। इस प्रसंग के माध्यम से श्रद्धालुओं को प्रेम, विश्वास, समर्पण और पवित्र संबंधों का महत्व बताया गया। आयोजन कर्ता दामिनी देवी देवांगन, रमेश लाल देवांगन,अदिति देवांगन, राजकिरन देवांगन, सानवी देवांगन,अविराज देवांगन सहित देवांगन परिवार द्वारा कराया जा रहा है।

राज्य स्तरीय सीनियर बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप कल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद

छत्तीसगढ़ प्रदेश बॉडी बिल्डर्स एसोसिएशन और बालोद जिला बॉडी बिल्डर्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में 31 अक्टूबर को बालोद के सरदार वल्लभभाई पटेल मैदान घड़ी चौक में 25वीं राज्य स्तरीय सीनियर बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं को नशे से धागा तोड़ो, सेहत से नाता जोड़ो का संदेश दिया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रदेशभर के बॉडी बिल्डर्स विभिन्न श्रेणियों में अपनी दावेदारी पेश करेंगे। इसमें सीनियर बॉडी बिल्डिंग, मास्टर बॉडी बिल्डिंग, स्पोर्ट्स फिजीक (मेंस फिजीक) तथा दिव्यांग (पैरा बॉडी बिल्डिंग) वर्ग शामिल हैं। विजेताओं को मिस्टर छत्तीसगढ़ के खिताब सहित मेडल, विशेष ट्रॉफी, नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत बॉडी वेट वजन मापन सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगा। टीम मैनेजर मीटिंग दोपहर 3 से 4 बजे तक होगा। मुख्य मुकाबला शाम 4 बजे से प्रारंभ होगा। प्रतियोगिता में सीनियर वजन श्रेणियां 55, 60, 65, 70, 75, 80 तथा 80



किलोग्राम वर्ग में प्रतियोगिता संपन्न होगा। आयोजन समिति की ओर से सभी निर्णायकों एवं ऑफिशियल सदस्यों को सुबह 11 बजे तक अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। बाहर से आने वाले प्रतिभागियों और अतिथियों के लिए रात्रि भोजन एवं ठहरने की निःशुल्क व्यवस्था की गई है। इसमें आयोजक नरेंद्र साहू, संघ के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र कुमार टेकाम और महासचिव अरविंद सिंह ने राज्यभर के खेल प्रेमियों व नागरिकों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।











खबर संक्षेप



बेमौसम बारिश से जनजीवन प्रभावित और फसलें खतरे में

दल्लीराजहरा। पिछले दो दिनों से हो रही बेमौसम बारिश ने दल्लीराजहरा शहर और ग्रामीण इलाकों में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। खेतों में पककर तैयार खड़ी फसलें भीगने से किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें गहरी हो गई हैं। किसानों ने कर्ज लेकर खेती में लागत लगाई है, ऐसे में फसल खराब होने पर आर्थिक संकट का खतरा मंडरा रहा है। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि संयुक्त टीम बनाकर जल्द सर्वे कराया जाए और उचित मुआवजा दिया जाए। दूसरी ओर, लगातार बारिश से शहर की रफ्तार भी थम गई है। सड़कों पर जलभराव और खराब जलनिकासी व्यवस्था के कारण आम नागरिकों को रोजमर्रा के कामकाज में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।
स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग को भी अलर्ट किया गया है। अनुविभागीय दंडाधिकारी आशीष कुमार ने बताया कि प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद और नजर बनाए हुए है। संभावित फसल नुकसान के सर्वे और प्रभावित क्षेत्रों में राहत व्यवस्था के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दे दिए गए हैं।

कांडी में बारिश से धान की फसलें गिरी



अंडा। अंडा क्षेत्र सहित ग्रामीण अंचलो में फसलों पर चक्रवात का बुरा असर पड़ा है। बुधवार की रात से अर्णव चक्रवाती तूफान के प्रभाव के कारण हुई बारिश और तेज हवा ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। बारिश और तेज हवा के चलते खेतों में पककर तैयार धान की फसल गिर गई है, जिससे किसानों को काफी नुकसान होने की आशंका है। अचानक मौसम में आए बदलाव से किसानों की मेहनत पर पानी फिरता नजर आ रहा है। कांडी प्रखंड के विभिन्न भागों में गांवों में किसान धान की फसल की कटाई की तैयारी कर रहे थे। कई किसानों की धान की फसल खेतों में पककर तैयार हो चुकी है। ऐसे समय में तेज हवा और बारिश के कारण फसल के गिर जाने से धान की कटाई और उपज पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है।

हत्या का प्रयास, फरार आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। हत्या के प्रयास मामले में लंबे समय से फरार चल रहे युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सुपेला पुलिस ने बताया कि हनुमान जयंती के भंडारा व प्रसाद वितरण के दौरान हुए विवाद में युवक पर धारदार हथियार से हमला कर फरार होने वाले अवंती बाई चौक के पास, पुरानी बस्ती कोहका निवासी सौरभ उर्फ लालु मेश्राम को पकड़ा गया है।

मौसम : जिले में अधिकांश धान की फसलें पककर तैयार, किसानों को हो सकता है नुकसान

खेतों में भरे पानी में समायी धान की बालियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद

जिले में अर्नब तूफान के कारण लगातार दो दिनों तक हुई आंधी के साथ बारिश से किसानों के चेहरे में चिंता की लकीरे नजर आने लगी है। जिले में किसानों द्वारा लिए गए धान के अधिकांश फसल पककर तैयार है, जहां कई धान के फसल जो अभी पके नहीं है उनके जल्द पक जाने की उम्मीद लगाई जा रही थी। लेकिन पिछले दो दिनों से अर्नब तूफान के कारण हो रही बारिश ने जिले के किसानों की परेशानियों को बढ़ा दिया है।

जहां मौसम साफ होने के कारण किसानों द्वारा पककर खेतों में खड़े धान की फसल को दीपावली त्यौहार के बाद कटाई कराने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन अर्नब तूफान के कारण किसानो की मेहनत खराब होते दिख रही है। जहां अर्नब तूफान की सूचना पाकर कई साधन संपन्न किसानों व धान कटाई के लिए मार्ग उपलब्ध किसानों ने जल्दबाजी में अपने खेतों में पककर तैयार धान की कटाई कर ली, लेकिन कई ऐसे किसान है, जिनका धान अभी पकने में



समय है और जिनका धान पककर तैयार है, लेकिन कटाई का साधन नहीं मिलने के कारण वे अपना धान नहीं कटवा पाए, ऐसे किसानों को नुकसान होने की चिंता सताने लगी है। जहां लगातार दो दिन हुई तेज आंधी के साथ बारिश ने खेतों में खड़े फसलों को जमीन में सुला दिया है, जिसके कारण धान के फसलों की बालियां जमीन से लिपटने के कारण उनमें अंकुरण आने व सड़ने गलने की डर किसानों को सता रहा है। ग्राम नेवारीकला निवासी किसान दानीराम सोनकर ने बताया कि उन्होंने 5 एकड़ में धान का फसल लिया है। जहां उनके धान का फसल में बालियां आ गई थी तथा जल्द फसल पककर तैयार होने के साथ अच्छी फसल की उम्मीद वे लगा रहे थे लेकिन अर्नब तुफान के कारण उनके पांच एकड़ का धान का फसल अब जमीन पर लिपट गया है। जिसके कारण धान के फसल में अंकुरण आना या सड़ने गलने का डर उनको सता रहा है।

ऐसे में जिले के किसान जल्द मौसम खुलने तथा जमीन सूखने की आश लगा रहे हैं, ताकि वे जल्द जमीन सूखने के बाद अपने फसल की कटाई कर सके।

चक्रवात अर्नब से जनजीवन प्रभावित, फसलों को नुकसान

जामगांव आ। चक्रवात अर्नब के कारण आई तेज हवा और बारिश से क्षेत्र में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। खेतों में खड़ी धान की फसलें जमीन पर गिर गईं, जिससे किसानों को भारी क्षति पहुंची है। किसान चतुर साहू और कुबेर साहू ने बताया कि बारिश व हवा के संयुक्त प्रभाव से फसलें पानी में डूब गई हैं, जिससे नुकसान का अंदेशा है। किसानों ने शासन से तत्काल खेतों का सर्वेक्षण कराकर मुआवजे की मांग की है। हालांकि, विपरीत परिस्थितियों के बीच विद्युत विभाग की सक्रियता से बिजली आपूर्ति कमोबेश सुचारू बनी रही। 29 अक्टूबर दोपहर के बाद मौसम के सामान्य होने पर बाजारों में हलचल तो लौटी, लेकिन 30 अक्टूबर को स्कूल खुलने को लेकर असमंजस बना हुआ है। शासन ने चक्रवात के कारण 30 अक्टूबर तक बच्चों के लिए अवकाश घोषित किया था। मौसम साफ होने के बावजूद पालकों व शिक्षकों में संशय है कि बच्चे विद्यालय जाएंगे या छुट्टी जारी रहेगी। दशहरा और आगामी दीपावली अवकाश के बीच इस अचानक छुट्टी से पाठ्यक्रम पूरा कराने की चिंता भी बढ़ गई है। इस विषय पर बीईओ डलेंद्र कुमार देवांगन ने स्पष्ट किया है कि जब तक उच्च स्तर से कोई नवीन निर्देश जारी नहीं होता, तब तक पूर्व में जारी अवकाश आदेश ही यथावत लागू रहेगा।

बेमौसम बारिश ने डौंडी अंचल के किसानों की बढ़ाई चिंता

खेतों में बिछी धान की फसल से दिवाली की खुशियां फीकी

डौंडी। बेमौसम बारिश ने डौंडी अंचल के किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में पककर तैयार हो रही धान की फसल बारिश के कारण जमीन पर बिछ गई है। खेतों में गिरी धान की फसल की तस्वीरें किसानों की परेशानी बयां कर रही हैं। जिस समय किसान अपनी मेहनत की फसल काटने और दीपावली की खुशियां मनाने की तैयारी कर रहे थे, उसी समय मौसम की मार ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेरने की आशंका पैदा कर दी है।

किसानों के लिए धान केवल एक फसल नहीं, बल्कि पूरे साल की मेहनत, परिवार की जरूरतों और आने वाले महीनों की आर्थिक योजना का आधार है। ऐसे में फसल के गिरने से उत्पादन और गुणवत्ता प्रभावित होने की चिंता बढ़ गई है। दीपावली जैसे खुशियों के पर्व के बीच खेतों में बिछी फसल देखकर किसानों के चेहरे मायूस हैं।

धान की फसल पकने के समय बारिश होने से खेतों में तैयार फसल गिर गई है। किसानों को चिंता है कि यदि खेतों में पानी भरता है और मौसम अनुकूल नहीं रहता, तो कटाई में देरी के साथ धान की गुणवत्ता भी प्रभावित हो सकती है। गिरी हुई फसल को काटना भी किसानों के लिए अधिक मेहनत और खर्च वाला काम बन सकता है। किसानों के सामने अब फसल को संभालने, खेतों से पानी निकालने और जल्द कटाई की व्यवस्था करने की चुनौती है।



वास्तविक नुकसान का आकलन खेतों की स्थिति का निरीक्षण करने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

दीपावली का त्योहार किसानों के लिए नई उम्मीदों और मेहनत के फल का प्रतीक होता है। किसान फसल की अच्छी पैदावार से परिवार की जरूरतें पूरी करने, खेती की लागत चुकाने और त्योहार की तैयारियां करने की उम्मीद रखते हैं। लेकिन बेमौसम बारिश ने इन उम्मीदों पर चिंता के बादल ला दिए हैं।

फसल प्रभावित होने की आशंका से किसानों की आर्थिक योजनाएं भी प्रभावित हो सकती हैं। ऐसे समय में किसानों को उम्मीद है कि मौसम की मार से हुए नुकसान का उचित आकलन किया जाएगा और जरूरत पड़ने पर उन्हें राहत उपलब्ध कराई जाएगी।

बारिश से धान की खराब फसलों का सरकार से सर्वे कराने की मांग

बालोद/निकुम। बीते दो दिनों से अर्नब चक्रवात के प्रभाव से गुण्डरदेही ब्लॉक के अर्जुन्दा तहसील क्षेत्र में धान की फसल को हुए नुकसान को लेकर जिला पंचायत सदस्य गुलशन कुमार चंद्राकर ने भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए खेतों में अधिकारियों की टीम भेजकर फसल नुकसान का सर्वे कराने की मांग की है।



चंद्राकर ने कहा कि सरकार किसानों को टोल फ्री नंबर पर सूचना देने की प्रक्रिया में उलझाने के बजाय खुद आगे आकर नुकसान का आकलन कराए, ताकि किसानों को समय पर राहत मिल सके। चक्रवात के असर से क्षेत्र के कई गांवों में तेज हवाओं के कारण धान की खड़ी फसल जमीन पर गिर गई है। इससे कटाई की तैयारी कर रहे किसानों की चिंता बढ़ गई है। क्षेत्र में माई, सरना किस्म के धान की खेती बड़े पैमाने पर लगाई गई है। कई खेतों में फसल पककर तैयार हो चुकी थी, लेकिन तेज हवाओं के कारण फसल धराशायी हो गई। किसानों के अनुसार, नुकसान व्यापक स्तर पर हुआ है, जिससे उनकी मेहनत और उपज दोनों प्रभावित होने की आशंका है। जिला पंचायत सदस्य गुलशन कुमार चंद्राकर ने कहा कि बंगाल की खाड़ी में सक्रिय अर्नब चक्रवात के कारण पूरे क्षेत्र में धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। यह किसी एक किसान के खेत की समस्या नहीं है, बल्कि क्षेत्र के सभी अन्नदाता किसान इस संकट से प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसानों को टोल फ्री नंबर पर शिकायत दर्ज कराने के लिए भटकाने के बजाय सीधे अधिकारियों को सीधे प्रभावित खेतों में भेजे। मौके पर फसल नुकसान का सर्वे कराया जाए और बीमा प्रकरणों की समीक्षा कर पात्र किसानों को जल्द से जल्द योजना का लाभ दिलाया जाए। प्रशासन ने फसल नुकसान की स्थिति में किसानों से 72 घंटे के भीतर बीमा टोल फ्री नंबर 14447 पर सूचना देने की अपील की है। वहीं, जिला पंचायत सदस्य गुलशन चंद्राकर ने मांग की है कि सरकार सर्वे और बीमा प्रक्रिया में तेजी लाकर प्रभावित किसानों को राहत पहुंचाए, ताकि नुकसान झेल रहे किसानों को समय पर सहायता मिल सके।

दो दिन की बारिश और तेज हवा से खेतों में बिछी धान की फसलें, किसानों की बढ़ी चिंता



डौंडीलोहारा। अर्नब तूफान से क्षेत्र में लगातार दो दिनों से हो रही बारिश और बीती रात चली तेज हवाओं ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। खेतों में पककर तैयार खड़ी धान की फसल तेज हवा और बारिश के चलते जमीन पर बिछ गई है। जिस फसल को देखकर किसान अच्छी पैदावार की उम्मीद लगाए बैठे थे, वहीं फसल अब उनके लिए चिंता का कारण बन गई है। मौसम की इस मार ने किसानों की खुशियों को मातम में बदल दिया है। खेतों में चारों ओर गिरी हुई फसल का नजारा किसानों की परेशानी बयां कर रहा है। इस वर्ष धान की फसल की स्थिति अच्छी होने से किसानों को बेहतर उत्पादन की उम्मीद थी। किसानों ने खेती में खाद, बीज, कीटनाशक, मजदूरी और अन्य संसाधनों पर बड़ी राशि खर्च की है। अच्छी पैदावार के सहारे वे अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने और खेती में लगाए गए खर्च की भरपाई करने की आस लगाए बैठे थे। किसानों के अनुसार खेतों में पूरी तरह तैयार धान की फसल के जमीन पर गिर जाने से उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है। शुरुआती अनुमान के मुताबिक उत्पादन में 20 प्रतिशत तक की कमी आ सकती है। हालांकि वास्तविक नुकसान का आकलन खेतों की स्थिति और फसल के सर्वे के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। खेतों में गिरी फसल के दानों की गुणवत्ता प्रभावित होने के साथ ही धान के सड़ने और अंकुरित होने का खतरा भी बढ़ सकता है, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

बेमौसम बारिश से धान और सब्जी की फसलों को नुकसान





कुसुमकसा। बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती सिस्टम और अचानक हुई बेमौसम बारिश से किसानों की चिंता बढ़ गई है। पककर तैयार धान की फसल की कटाई और मिंजाई का काम थम गया है। खेतों में काटकर रखी गई फसल भीगने से खराब होने की आशंका है, वहीं तेज हवा व बारिश से खड़ी फसल जमीन पर गिर गई है और निचले खेतों में पानी भरने से डूब गई है। नमी बढ़ने पर धान में अंकुरण का खतरा भी मंडरा रहा है। धान के साथ-साथ सब्जी फसलों को भी भारी नुकसान हुआ है। सब्जी उत्पादक किसान प्रेमलाल भूआर्य ने बताया कि लगातार पानी गिरने से टमाटर, मिर्च और बैंगन की जड़ों में सड़न, फफूंद जनित रोगों, पौधे गिरने तथा फूल-फल झड़ने का खतरा बढ़ गया है। इसके अलावा दलहन, तिलहन और मक्का की फसलें भी प्रभावित हुई हैं। इसे देखते हुए पूर्व जनपद सदस्य अनिल सुथार ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि बेमौसम बारिश से हुए फसल नुकसान का शीघ्र सर्वे कराया जाए और प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ दिलाया जाए।

निर्माण कार्यों की प्रगति लाने अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

जपं सीईओ ने कोचावही पंचायत में किया विकास कार्यों का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुरूर

जनपद सीईओ पन्नालाल धुवे ने ग्राम पंचायत कोचवाही में संचालित विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माणाधीन उचित मूल्य दुकान, कला मंच के पास टीन शेड निर्माण, प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला कोचवाही में बालिका शौचालय निर्माण तथा जिला खनिज न्यास मद से कंकालीन मंदिर से बस्ती तक सीसी रोड निर्माण कार्यों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान सीईओ धुवे ने निर्माण कार्यों की प्रगति का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी कार्य निर्धारित समय–सीमा में पूर्ण किए जाएं तथा निर्माण में गुणवत्ता और निर्धारित मापदंडों का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि उचित मूल्य दुकान के निर्माण से ग्रामीणों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राशन प्राप्त करने में सुविधा मिलेगी। वहीं, कला मंच के पास टीन शेड बनने से विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक आयोजनों के लिए बेहतर व्यवस्था उपलब्ध होगी। विद्यालयों में बालिका शौचालय निर्माण को छात्रओं की सुविधा, स्वच्छता और बेहतर शैक्षणिक वातावरण के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कार्य को गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कंकालीन मंदिर से बस्ती तक सीसी रोड निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है।



सीईओ ने कहा कि विकास कार्योंर् का उद्देश्य ग्रामीणों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है, इसलिए सभी कार्योंर् को जिम्मेदारी के साथ पूर्ण कराया जाए। निरीक्षण के दौरान जनपद पंचायत सीईओ के साथ अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी एनके. बागडे, आरएल. सिरमौर, कार्यक्रम अधिकारी योगेश कुमार देवांगन सहित अधिकारी–कर्मचारी, सरपंच, सचिव और ग्राम रोजगार सहायक उपस्थित थे।

तुरंत आराम के लिए
तुलसी आयुर्वेदिक चिकित्सालय
पता - तुलसी निवास, बस स्टैंड के पीछे, उपाध्याय नर्सिंग होम के सामने, धमतरी मो.नं. : 9993010732
लकवा रोग, वातरोग - सभी प्रकार के दर्द, गठियाबात, साइटिका, झुनझुनी वात, कमरदर्द, घुटना दर्द, अकड़न, नस रोग का इलाज
चर्मरोग - दाद, खुजली, बेमची, मुंह में छाला होना का इलाज
पेट रोग - कब्ज, गैस, भूख न लगना, खट्टी डकार आना का इलाज
बवासीर - मस्सा होना, खून निकलना, खुजली होना का इलाज
पुरूष रोग - घातुस्राव, शीघ्रपतन व कमजोरी का इलाज
स्त्री रोग - ल्यूकोरिया, सफेद पानी आना, मासिक रुकावट का इलाज
बुखार, खांसी, स्वांसरोग, मूत्ररोग, केशरोग, दांतरोग का इलाज



स्पेशल ट्रेन से - 24 दिसम्बर 2026 से 03 जनवरी 2027 (11 दिन)
कोरबा, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया से होकर
रामेश्वरम् धाम यात्रा
श्री रामेश्वरम धाम ज्योतिर्लिंग, श्री तिरुपति बालाजी, श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, मदुरै श्री मीनाक्षीदेवी, श्री कन्याकुमारी
राशि:- स्लीपर 16,500/-, 3 एसी-27,500/-, 2 एसी 32,500/- (+5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR: D-36, Sector-4, Kamal Vihar, NOAPARA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:- 9165-411411